राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं
अनुसंधान संस्थान, भोपाल

सम्पर्क सरिता

वर्ष–20, अंक–04 अक्टूबर–दिसम्बर 2019

विदेशी शिक्षाविदों एवं प्रशासकों के लिये प्रबंधकीय कौशल पर कार्यक्रम

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल में दिनांक 09 से 20 दिसम्बर 2019 तक भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम (आईटेक) के तहत विदेश मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "शिक्षाविदों एवं प्रशासकों के लिये प्रबंधकीय कौशल" विषय पर द्वि–साप्ताहिक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। आज जब पूरा विश्व चतुर्थ औद्योगिक क्रांति की तरफ बढ़ रहा है, ऐसे समय में शिक्षण संस्थाओं से निकलने वाले स्नातकों में उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप कौशल, क्षमता एवं दक्षता होनी चाहिए। ऐसे समय में सभी शिक्षण संस्थाओं के सामने एक नई चुनौती है कि वे मांग एवं आपूर्ति की कसौटी पर खरे उतर सकें। यह कार्यक्रम इसी दिशा में निटर का एक अभिनव प्रयास था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, विदेश मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती देवयानी खोबरागड़े ने इस अवसर पर भारत सरकार द्वारा इस दिशा में प्रारंभ किये गये प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने इस समय 160 देशों के बीच आइटेक कार्यक्रम के माध्यम से एक नेटवर्क विकसित किया है।

माँ सरस्वती को माल्यार्पण करते प्रो. सी. थंगराज

उन्होंने सभी प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत करते हुये कहा कि आप सभी अब भारत के लिये ब्रांड एंबेसडर की तरह हैं। निटर संचालक मंडल के अध्यक्ष श्री सी.पी. शर्मा, ने भारत की "अनेकता में एकता" की विशेषता को बताते हुए कहा कि शिक्षा में गुणवत्ता ही किसी देश के विकास में सहायक होती है। उन्होंने ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था बढ़ाने के लिये फैकल्टी एक्सचेंज का महत्व बताया। निटर निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने विदेश मंत्रालय का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि वैश्विक शिक्षा समुदाय के लिये हम और कार्यक्रम आयोजित करेंगे। उन्होंने कहा कि संस्थान में आये विदेशी प्रशिक्षणार्थी भाषा की भिन्नता से परेशान नहीं होंगे। क्योंकि संस्थान इस तरह के कार्यक्रम कई वर्षो से कर रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त करने आये प्रतिभागियों में कई निदेशक, उपनिदेशक, अधिष्ठाता, प्राचार्य, प्राध्यापक, उद्योगों के प्रतिनिधि शामिल थे। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. रोली प्रधान के अनुसार इस कार्यक्रम में 35

प्रतिभागियों को संबोधित करती श्रीमती देवयानी खोबरागड़े

देशों के 54 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें अफगानिस्तान, अजरबैजान, बांग्लादेश, भूटान, बोस्निया, हर्जेगोविना, बोत्सवाना, ब्राजील, चिली, इक्वाडोर, इथियोपिया, ग्वाटेमाला, इंडोनेशिया, केन्या, किर्गिस्तान, मलावी, मलेशिया, मालदीप, मोरक्को, नामीबिया, नाइजीरिया, फिलिस्तीन, पनामा, पैराग्वे, श्रीलंका, सूडान, सूरीनाम, सीरिया, तंजानिया, युगांडा, जाम्बिया, जिम्बाब्वे आदि प्रमुख हैं। आईटेक की समन्वयक प्रो. चंचल मेहरा ने इस योजना की विस्तृत जानकारी के साथ सभी का आभार व्यक्त किया। समापन अवसर पर संचालक मंडल के अध्यक्ष श्री सी.पी. शर्मा एवं निदेशक प्रो. सी. थंगराज ने प्रतिभागियों एवं कार्यक्रम समन्वयक को कार्यक्रम के सफल संचालन के लिये बधाई दी। इस कार्यक्रम की अवधि के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को आईआईएम, इंदौर का भ्रमण कराया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. सी.थंगराज ने एक दिवसीय संगोष्ठी में "शिक्षा का निजीकरण एवं प्रशासकीय अभ्यास" पर व्याख्यान दिया। प्रतिभागियों ने अपने–अपने देश की शिक्षा प्रणाली पर प्रस्तुति दी एवं कहा कि यह कार्यक्रम उनके लिये बहुत लाभदायक रहा है एवं वे एक नई ऊर्जा, क्षमता, दक्षता व कौशल के साथ अपने देश वापस जा रहे हैं।

विभिन्न देशों का प्रतिनिधित्व करते प्रतिभागी

जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान के प्रबंधन विभाग द्वारा दिनांक 14–25 अक्टुबर 2019 तक भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम (आईटेक) के तहत

संचालक मंडल के अध्यक्ष श्री सी.पी. शर्मा के साथ प्रतिभागी

विदेश मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन के लिए मार्ग विकसित करना" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन, प्रस्तुतिकरण, समूह चर्चा, अनुभवों का अदान प्रदान, केस विधि एवं स्व–मूल्यांकन पद्धतियों का उपयोग कर किया गया।

समापन समारोह में निटर संचालक मंडल के अध्यक्ष श्री सी.पी. शर्मा, ने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौती का सामना कर रही है। इस दिशा में हर देश प्रयासरत है। निटर निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने विदेश मंत्रालय का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि इस तरह के कार्यक्रम दुनियाभर के लोगों को जोड़ने का कार्य करते हैं। मुझे खुशी है कि हमारे संस्थान ने इस दिशा में अभूतपूर्व कार्य किये हैं, जिसके परिणामस्वरूप हमारे यहां आईटेक प्रशिक्षण के कार्यक्रम काफी संख्या में आयोजित किये जा रहे हैं।

प्रतिभागियों को सीहोर जिले में क्लाईमेट स्मार्ट विलेज भ्रमण कराया गया। जहां पर किसानों द्वारा आधुनिक तरीके से खेती एवं सिंचाई का कार्य किया जाता है, जिससे जलवायु को नुकसान न हो। इस कार्यक्रम में 16 देश के प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें अफगानिस्तान, अर्मेनिया, भूटान, बोत्सवाना, कोलंबिया, मिस्र, अल–सल्वाडोर,

इथियोपिया, घाना, मंगोलिया, नाइजीरिया, श्रीलंका, जूलिया आदि के प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. आशीष देशपांडे एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. पराग दुबे ने योगदान दिया।

मेनिट संकाय सदस्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

संस्थान में दिनांक 9–20 दिसम्बर 2019 तक मेनिट के नव–नियुक्त सहायक प्राध्यापकों के लिए "परिणाम आधारित शिक्षा' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभांरभ निटर संचालक मंडल के अध्यक्ष श्री सी.पी. शर्मा द्वारा किया गया। श्री शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि सभी संस्थानों को शिक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निटर की विशेषज्ञता का लाभ लेना चाहिए। उद्घाटन अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. सी.थंगराज, मेनिट के अधिष्ठाता अकादमिक डॉ. एन.डी. मित्तल, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. नमिता श्रीवास्तव और प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. संजय अग्रवाल एवं संकायगण

मेनिट एवं निटर निदेशक के साथ प्रतिभागी

उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को परिणाम आधारित पाठ्यक्रम एवं शिक्षा के उद्देश्य, पाठ्यक्रम की योजना बनाना, पीईओ, पीएसओ, कोर्स आउटकम, रूबरिक, एनबीए निरीक्षण के लिए तैयारी एवं अन्य विषयों के बारे में विस्तार से बताया गया। समापन समारोह में संचालक मंडल के अध्यक्ष श्री सी.पी. शर्मा, निदेशक निटर डॉ. सी. थंगराज, निदेशक मैनिट डॉ.एन.एस. रघुवंशी, तकनीकी शिक्षा गुणवता सुधार परियोजना समन्वयक डॉ. राजेश गुप्ता उपस्थित थे। समापन समारोह में प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम हमारे संस्थान के संकाय सदस्यों के लिए बहुत उपयागी हैं। कार्यक्रम में 27 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम में समस्त असाईन्टमेंट, टेस्ट एवं अन्य अधिगम सामग्री को ऑनलाइन, फ्लेटफार्म पर वितरित कर मूल्यांकन किया गया। इस ऑनलाइन प्रक्रिया में डॉ. बशीरउल्ला शेक का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. संजय अग्रवाल थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ.डी.एस. करौलिया, डॉ. बी.एल. गुप्ता, डॉ. आर.के. दीक्षित, डॉ.जे.पी. टेगर, डॉ. किरन सक्सेना, डॉ. शरद कुमार प्रधान, डॉ. एस.एस. केदार, डॉ. आर.के. कपूर एवं प्रो. संजीत कुमार ने योगदान

संचालक मण्डल एवं वित्त समिति की बैठक संपन्न

दिनांक 01 नवंबर, 2019 को संस्थान के संचालक मंडल एवं वित्त समिति की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

12वीं इंटर निटर स्पोर्टस मीट में निटर चंडीगढ़ बना चैम्पियन

खेलों के माध्यम से ही हो सकता है सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास : डॉ. एस.एल. थाओसेन

देश के चारों राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल, चंडीगढ, चैन्नई एवं कोलकाता की संयुक्त 12वीं इंटर निटर स्पोर्ट्स मीट का आयोजन एन.आई.टी.टी.टी.आर. भोपाल में दिनांक 19 नवंबर से 22 नवंबर 2019 तक किया गया। स्पोर्टस मीट में बैडमिन्टन, टेबल टेनिस, बॉलीबाल, कैरम, शतरंज, ब्रिज एवं सौ मीटर दौड़ का आयोजन किया गया। स्पोर्टस मीट में चारों एनआईटीटीटीआर से लगभग 100 खिलाड़ियों ने इन खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। स्पोर्ट मीट के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. एस.एल. थाओसेन, आईपीएस, निदेशक खेल एवं युवा कल्याण, मध्यप्रदेश ने अपने उद्बोधन में खेलों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि "खेलों में भागीदारी के बिना व्यक्तित्व का सम्पूर्ण विकास नहीं हो सकता है। खेल दो प्रकार के होते हैं। जिनमें एक प्रतिस्पर्धात्मक एवं दूसरा मनोरंजनात्मक होते है। हमें जीवन में हर कार्यो को खेल स्पर्धा की तरह करना चाहिए"। कार्यक्रम के अध्यक्ष निटर, भोपाल के संचालक मण्डल के अध्यक्ष श्री सी.पी. शर्मा ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि "खेल में भागीदारी के माध्यम से व्यक्ति में आत्म विश्वास, परिश्रम, अनुशासन, प्रतिबद्धता एवं समन्वय जैसे गुणों को विकसित कर सकते है"। संस्थान के निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने सभी खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि "इंटर निटर स्पोर्टस मीट चारों संस्थान को एक प्लेटफॉर्म

स्पोर्ट्स मीट का शुभारंभ करते डॉ. एस.एल. थाओसेन

पर आकर सांस्कृतिक एवं अकादमिक आदान प्रदान के लिये महत्पूर्ण अवसर उपलब्ध कराता है"। प्रो. संजय अग्रवाल, अध्यक्ष खेल समिति ने समस्त खेल प्रतियोगिताओं की विस्तृत जानकारी देते हुए इंटर निटर स्पोर्टस मीट के इतिहास एवं उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी। चारों निटर की टीमों ने पुलिस बैंड की धुन पर मंचासीन अतिथियों की ओर सलामी देते हुए मार्च पास्ट की सुन्दर प्रस्तुति देकर खेलों का आरंभ किया। प्रो. बी.एल. गुप्ता ने आभार प्रदर्शन किया। श्रीमती शोभा लेखवानी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

खेल आपके जीवन में अप्रत्याशित परिवर्तन लाते हैं : श्री बी.बी. शर्मा

चैम्पियन ट्रॉफी के साथ निटर चंडीगढ़ टीम

12वीं इंटर निटर स्पोर्ट्स मीट में निटर चंडीगढ ने 6 गोल्ड, 4 सिल्वर 3 कांस्य पदक प्राप्त कर चैम्पियन ट्रॉफी जीती। निटर भोपाल ने 5 गोल्ड, 5 सिल्वर 4 कांस्य पदक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। निटर कोलकाता ने 4 गोल्ड, 4 सिल्वर 1 कांस्य पदक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। निटर चैन्नई ने 2 सिल्वर एवं 7 कांस्य पदक प्राप्त किये।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री बी.बी. शर्मा, अतिरिक्त महानिदेशक, विजिलेन्स विभाग ने कहा कि खेल आपके जीवन में अप्रत्याशित परिवर्तन लाते हैं। उन्होंने कई रोचक उदाहरणों के माध्यम से खेलों के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि निटर चंडीगढ़ के निदेशक डॉ. एस.एस. पटनायक ने कहा कि हमें जीवन में हर कार्यो को खेल स्पर्धा की तरह करना चाहिए। इन खेलों से निटर एक परिवार के रूप में जुड़ा है। अब समय आ गया है कि जब चारों निटर को मिलकर अकादमिक आदान प्रदान पर कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री सी.पी. शर्मा ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि खेल में भागीदारी के माध्यम से व्यक्ति में जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित होती है। निटर जैसे संस्थान देश की जीडीपी में अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। प्रो. संजय अग्रवाल ने समस्त खेल प्रतियोगिताओं के परिणामों की जानकारी दी। निटर निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने समापन अवसर पर कहा कि खेल में हार और जीत लगी रहती है। मुझे खुशी है कि सभी खिलाडियों ने खेल को खेल भावना से ही खेला। विभिन्न निटर्स से आये हुए खिलाड़ियों ने कहा कि हमने चार दिनों में निटर भोपाल से एक पारिवारिक रिश्ता जोड़ा है। इन खेल प्रतियोगिताओं के दौरान रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। खेल समापन समारोह पर विगत वर्षो में खेले गये एवं विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताओं पर केन्द्रित एक फिल्म का निर्माण इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा किया गया, जिसका प्रदर्शन इस अवसर पर किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनिता लाला एवं शोभा लेखवानी ने किया। खेल प्रतियोगिताओं के सफल संचालन में डॉ. बशीरउल्ला शेक सहित निटर भोपाल के सभी संकायगण/अधिकारी/कर्मचारियों का उल्लेखनीय योगदान रहा।

शोध पत्र लेखन एवं प्रकाशन पर कार्यशाला

संस्थान में दिनांक 11 से 13 नवंबर 2019 तक संकायगणों एवं जूनियर रिसर्च फैलो के लिये प्रभावी शोध के साथ–साथ शोध पत्र लेखन एवं उनका स्तरीय शोध ग्रंथों में प्रकाशन (जर्नल) हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में यूनीवर्सिटी ऑफ हर्ड्सफील्ड, यू.के. के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. जैम्स ऐविस, ने विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिये। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में डॉ. सी.थंगराज, निदेशक ने कहा कि तकनीकी शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण सुधार लाने हेतु शोध आधारित नीति एवं नवाचार की आवश्यकता है। हमारे द्वारा की जाने वाली शोध का स्तर विश्व के किसी भी उत्कृष्ट संस्थान के स्तर का होना चाहिए। डॉ. ऐविस ने कार्यशाला के दौरान शोध पत्र मूल्यांकनकर्ताओं के दृष्टिकोण, उनकी अपेक्षाऐं एवं उपयोग किये जाने वाले मापदंडों के उदाहरण एवं गैर उदाहरणों द्वारा चर्चा की। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. बी.एल. गुप्ता थे।

प्रो. ऐविस के साथ प्रतिभागी

राष्ट्रीय सतर्कता दिवस पर कार्यक्रम

संस्थान में दिनांक 28 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2019 तक राष्ट्रीय सतर्कता सप्ताह मनाया गया। इस उपलक्ष्य में मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. आर. के. दीक्षित ने संस्थान के अधिकारी/कर्मचारी/संकाय सदस्यों को सतर्कता की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत को भ्रष्टाचार से मुक्त राष्ट्र बनाने के लिए भारत के हर पहलू से भ्रष्टचार को खत्म करना है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने के लिये विभिन्न बैनर, पोस्टर तैयार कर प्रदर्शित किये गये एवं आयोग की वेबसाइट पर ई–प्रतिज्ञा लेने की प्रक्रिया के बारे में भी बताया गया। इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले बोर्ड पर गणमान्य व्यक्तियों के संदेश भी प्रदर्शित किए गए। निटर, भोपाल के मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. आर.के. दीक्षित केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, भोपाल और बैंक ऑफ इंडिया, भोपाल द्वारा आयोजित समारोह/संगोष्ठी में भी शामिल हुए।

शपथ दिलाते प्रो. आर.के. दीक्षित

राष्ट्रीय एकता दिवस पर कार्यक्रम

राष्ट्रीय एकता दिवस पर कॅंडिल मार्च आयोजित

देश की एकता, अखंडता, सुरक्षा को सुरक्षित व मजबूत बनाए रखने के लिये सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस दिनांक 31 अक्टूबर 2019 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया एवं शपथ ली गई। इस अवसर पर निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों/ विद्यार्थियों ने भाग लिया एवं जेआरएफ के द्वारा पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया गया। इसमें सभी विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। साथ ही कॅंडिल मार्च का आयोजन भी किया गया, जिसमें अधिकारी/कर्मचारी/ विद्यार्थियों एवं प्रशिक्षणार्थियों ने सहर्ष भाग लिया।

संस्थान में आयोजित राजभाषा गतिविधियाँ

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 85वीं तिमाही बैठक निदेशक डॉ. सी. थंगराज की अध्यक्षता में 11 दिसबंर 2019 को अपरान्ह 04:00 बजे संस्थान के कमेटी कक्ष में संपन्न हुई। इसमें लगभग 15 सदस्य शामिल हुए।

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में 19–20 दिसंबर 2019 को "यूनिकोड का कम्प्यूटर पर कार्य करने में उपयोग" विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन कम्प्यूटर अभियंत्रण एवं अनुप्रयोग विभाग द्वारा किया गया। कार्यशाला में संस्थान के कुल 14 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. एम.ए. रिज़वी एवं श्री अभय दुबे ने सहयोग प्रदान किया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति क्र.–1 भोपाल की वर्ष 2019 की द्वितीय बैठक, 27 दिसंबर, 2019 को अपरान्ह 03:00 अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल में आयोजित की गई। बैठक में 60 से अधिक सदस्य केन्द्रीय कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारी उपस्थित थे।

संसाधन विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 07–11 अक्टूबर 2019 तक "संसाधन विकास" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में 20 प्रतिभागी सम्मिलित हुये। कार्यशाला में नैनो टेक्नोलॉजी, वैकल्पिक ईंधन, लेज़र, गणित विषय के इंजीनियरिंग में उपयोग, पर्यावरण प्रदूषण आदि विषय सीखने के संसाधन विकसित किये जाने के संबंध में चर्चा एवं निर्णय लिये गए। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. दीपक सिंह, प्रो. पी.के. पुरोहित, प्रो. हुसैन जीवाखान, प्रो. अतुल मिश्रा थे। विषय विशेषज्ञों के रूप में प्रो. एस.के. तिवारी, डॉ. गणेश्वर मिश्रा, डॉ. मनीषा भारद्वाज, डॉ. श्वेता मुखर्जी, डॉ. मीना तलाटी, डॉ. एकता पाण्डे, डॉ. के. एस. तिवारी, डॉ. ओ.पी. चौहान, डॉ. गोपाल मीना, डॉ. वर्षा चौहान, डॉ. विशाल जोशी, डॉ. मयंक शर्मा, डॉ. राधिका मेनन, डॉ. अंजू वी. कुलकर्णी, डॉ. राजेश सक्सेना ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

निटर निदेशक प्रो. सी. थंगराज के साथ विषय विशेषज्ञ

राष्ट्रीय संविधान दिवस पर कार्यक्रम

संस्थान द्वारा दिनांक 26 नवंबर 2019 को संविधान दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के समस्त संकायगण/अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा भारत के संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। इस अवसर पर संसद के संयुक्त सत्र में नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद के अभिभाषण को भी देखा गया।

संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराते प्रो. सुब्रत राय

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर कार्यक्रम

संस्थान में दिनांक 11 नवम्बर 2019 को मौलाना अबुल कलाम आजाद के शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान के उपलक्ष्य में उनके जन्म दिवस को "राष्ट्रीय शिक्षा दिवस" के रूप में मनाया गया। इस वर्ष राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का शीर्षक "शिक्षा का महत्व एवं शिक्षा के विभिन्न पहलूओं पर राष्ट्रीय प्रतिबद्धता" था। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें स्वरचित नारा, निबंध, खींचे/बनाये गये फोटोग्राफ/पोस्टर्स आदि प्रमुख हैं। इन प्रतियोगिताओं में (1) निबंध प्रतियोगिता में प्रथम डॉ. समीना फरूख़, द्वितीय क्षितिज सिंह, तृतीय चित्रगुप्त स्वरूप चित्रांश, (2) नारा प्रतियोगिता, में प्रथम संदीप बघेल, द्वितीय वैभव पटेल, तृतीय चित्रगुप्त स्वरूप चित्रांश, (3) पोस्टर/फोटोग्राफ प्रतियोगिता में प्रथम अग्रणी शर्मा, द्वितीय संदीप बघेल, तृतीय क्षितिज सिंह को पुरस्कार प्राप्त हुए। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. रोली प्रधान थी। इस कार्यक्रम में समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों/प्रशिक्षणार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

विदाई समारोह आयोजित

संस्थान में कार्यरत वरिष्ठ कर्मचारी श्री विजय परदेशी, उच्च श्रेणी लिपिक 31 अक्टूबर 2019 को उनकी अर्धवार्षिकी आयु पूर्ण करने पर विदाई समारोह आयोजित कर विदाई दी गई। उनके स्वस्थ एवं सफल जीवन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं।

संस्थान में कार्यरत वरिष्ठ कर्मचारी श्री पी.पी. शर्मा, बहुकुशल परिचारक 29 नवम्बर 2019 को उनकी अर्धवार्षिकी आयु पूर्ण करने पर विदाई समारोह आयोजित कर विदाई दी गई। उनके स्वस्थ एवं सफल जीवन हेतु संस्थान परिवार द्वारा हार्दिक शुभकामनाएं।

सेवानिवृत कर्मचारियों को सम्मानित करते प्रो. सी. थंगराज एवं प्रो. ए.के. जैन

एआईसीटीई एवं निटर द्वारा संयुक्त कार्यशाला आयोजित

संस्थान में दिनांक 5 नवम्बर 2019 को एआईसीटीई क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल एवं निटर द्वारा गुणवत्ता पहल पर कार्यशाला का संयुक्त रूप से आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य तकनीकी शिक्षण संस्थाओं के शिक्षकों को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ''तकनीकी शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय पहल'' के अंतर्गत तकनीकी शिक्षकों के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण नीति के बारे में

कार्यशाला का उद्घाटन करते प्रो. दिलीप मालखेड़े

जागरूक करना था। कार्यशाला की अध्यक्षता निटर निदेशक प्रो. सी. थंगराज ने की। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण निटर की प्रमुख भूमिकाओं में से एक है। इस कार्यशाला में एआईसीटीई द्वारा तकनीकी शिक्षकों के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण नीति पर प्रकाश डाला गया। तकनीकी शिक्षा प्रणाली में शिक्षकों के रूप में नए स्नातकों को शामिल किया जा रहा है। ये युवा शिक्षक तकनीकी रूप से योग्य है उन्हे फिर भी शैक्षणिक सिद्धांतों में प्रशिक्षण की आवश्यकता है। नवीनतम शैक्षिक प्रौद्योगिकी के साथ–साथ उन्हें आईसीटी का उपयोग करना सिखाया जाये ताकि सिखाई गई सामग्री को प्रभावी ढंग से छात्रों द्वारा रोज़गारपरक बनाया जा सके। इस प्रशिक्षण के साथ शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को यादगार, सुखद, प्रासंगिक और परिवर्तनकारी बनाने की आवश्यकता है। कार्यशाला के प्रमुख वक्ता प्रो. दिलीप एन. मालखेड़े, सलाहकार, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने तकनीकी शिक्षकों के लिये चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि म.प्र. के तकनीकी संस्थान गुणवत्ता पर पहल में भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज सभी संस्थानों को एआईसीटीई की विभिन्न योजनाओं जैसे संस्थान, संकाय एवं छात्र विकास का लाभ लेना चाहिए। प्रो. व्ही.एच. राधाकृष्णन्न ने तकनीकी शिक्षकों के लिए बनाई गई व्यापक प्रशिक्षण नीति के बारे में जानकारी एवं उसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने संकाय प्रेरणा कार्यक्रम एवं उसके विभिन्न मॉडयूल को पूर्ण करने की विस्तृत जानकारी दी। प्रो. एस.एस. केदार ने इस प्रशिक्षण नीति के तहत विभिन्न आठ मॉडयूल के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया एवं उसके शुल्क से संबंधित जानकारी दी। इस कार्यक्रम को प्रो. चंचल मेहरा, प्रो. अस्मिता खजांची ने भी संबोधित किया। श्री भूपेन्द्र श्रीवास्तव ने एआईसीटीई, भोपाल की ओर से सभी गणमान्य व्यक्तियों और वक्ताओं का सम्मान किया। निटर, भोपाल के प्रो. जोशुआ अर्नेस्ट एवं अन्य विशेषज्ञों ने अन्य राज्यों में इस पहल पर व्याख्यान दिया।

एन.बी.ए. एक्रीडिटेशन पर प्रशिक्षण

संस्थान द्वारा दिनांक 14 से 18 अक्टूबर, 2019 तक इंस्टीट्यूट ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर टेक्नीकल रिसर्च एवं मैनेजमेंट, मणिनगर, अहमदाबाद महाविद्यालय में 'एनबीए एक्रीडिटेशन' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के महानिदेशक डॉ. शिवप्रसाद ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में गुणवत्ता एक दिन में प्राप्त नहीं की जा सकती। इस हेतु सतत प्रयास करना आवश्यक है।

यदि हम गुणवत्ता को दिल से अपनायें एवं अपने जीवन के हर क्षेत्र में शामिल कर लें तो परिणाम उत्कृष्ट होंगे। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सी. एस. राजेश्वरी ने एनबीए की मूलभावना अनुसार कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को आऊटकम बेस्ड, एजुकेशन, एनबीए पॉलिसी, विजन, मिशन, पीओ, पीईओ, पीएसओ, सीओ, कोर्स एवं प्रोग्राम आर्टिकुलेशन, मेट्रिक्स, करीकुलम गेप, असेसमेंट, रूब्रिक्स, एनबीए के विभिन्न मापदंड एवं नीति, सेल्फ असेसमेंट रिपोर्ट तैयार करना, एनबीए टीम के आने के पूर्व की तैयारी कैसे करें आदि पर विस्तृत रूप से प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न टास्क एवं असाईन्मेट पूर्ण किये एवं एचीवमेन्ट टेस्ट दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में गुजरात राज्य के पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालय के 90 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. सी.एस. राजेश्वरी थी संकाय सदस्य के रूप में डॉ. संजय अग्रवाल, डॉ. आर.के. दीक्षित, प्रो. चंचल मेहरा एवं डॉ. एस.एस. केदार ने अपना योगदान दिया।

प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण पर कार्यशाला

संस्थान के टीचिंग व लर्निंग सेन्टर द्वारा श्री गुरू राम राय कॉलेज, देहरादून में दिनांक 25–29 नवंबर, 2019 तक प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रणाली दृष्टिकोण, उनके कार्य एवं उत्तरदायित्व, मीडिया निर्माण, परिस्थिति अध्ययन, परियोजना निर्माण, परिणाम आधारित शिक्षा, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन, शिक्षण विधियों, उद्यमिता विकास, नेतृत्व, संगठनात्मक विकास, परिवर्तन प्रबंधन, समस्या समाधान और निर्णय लेने की क्षमता विकास पर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि श्री डी.सी. नैनिवाल, उप शिक्षा निदेशक, उच्च शिक्षा उत्तराखण्ड ने अपने संबोधन में कार्यक्रम की उपयोगिता की प्रशंसा की तथा एन.आई.टी.टी.टी.आर द्वारा चलाये जा रहे इस कार्यक्रम को उच्च शिक्षा में नियुक्त शिक्षकों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण बताया और कहा

कि यह कार्यक्रम उनके प्रदेश के अन्य स्थानों पर भी किया जाये, जहां ज्यादा से ज्यादा शिक्षकों को लाभ मिल सके। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. वंदना सोमकुंवर थीं एवं डॉ. अंजू रौले ने संकाय सदस्य के रूप में सहयोग प्रदान किया।

मेटलैब साफ्टवेयर पर प्रशिक्षण

संस्थान के इलेक्ट्रीकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा

दिनांक 04–08 नवम्बर 2019 तक "मेटलेब सॉफ्टवेयर" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को "मेटलैब की मूल बातें, मेटलैब प्रोग्रामिंग, फाइल और फंक्शन, लूप्स, प्लॉट्स और ग्रॉफ्स, मेटलेब एप्लीकेशन–पॉलीनोमियल्स, कर्व फिटिंग और इंटरपोलेशन, मेटलेब एप्लीकेशन में न्यूमेरिकल एनालिसिस, विभेदक समीकरण एवं एकीकरण सिम्युलिंक, ओवरव्यू ऑफ अदर टूल बॉक्स, एप्लीकेशन्स ऑफ मेटलेब" विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. सूसन एस. मैथ्यू रहीं एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. अंजली पोतनीस ने सहयोग प्रदान किया।

कार्यशाला प्रबंधन और उसका मूल्यांकन

संस्थान के मेकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा किरोड़ीमल शासकीय पॉलिटेक्निक, रायगढ़ में दिनांक 14 से 18 अक्टूबर, 2019 तक कार्यशाला प्रबंधन और उसका मूल्यांकन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संकाय सदस्य, कार्यशाला अधीक्षक, कार्यशाला के प्रशिक्षक आदि ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कार्यशाला के कर्मचारी के कार्य एवं जिम्मेदारियां, परिणाम आधारित शिक्षा की आवश्यकता अनुसार प्रभावी तरीके से विभिन्न कार्यशालाओं में प्रायोगिक कार्यक्रमों को आयोजित करना जिससे छात्रों में उद्योगों की मांग अनुरूप कौशल का विकास हो सके। छात्रों के द्वारा विभिन्न कार्यशालाओं में किये गए प्रायोगिक कार्यों के मूल्यांकन के प्रकार, उपकरण एवं प्रभावी पद्धति, कार्यशाला रखरखाव की रणनीतियों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ए.के. सराठे एवं संकाय सदस्य के रुप में डॉ. ए.एस. वाल्के ने सहयोग प्रदान किया।

विदेशी प्रशिणार्थियों ने निटर, भोपाल परिसर में सीखा योग

आईटेक कार्यक्रम के प्रशिक्षणार्थियों ने निटर परिसर में संचालित होने वाली योग कक्षाओं में नियमित रूप से योग सीखा एवं इसे अपने देश में भविष्य में जारी रखने का संकल्प भी लिया। प्रशिणार्थियों ने योग प्रशिक्षक श्री संजय सक्सेना, श्रीमती संध्या सक्सेना, प्रो. एम.सी. पालीवाल एवं प्रो. सुब्रत राय को योग हेतु प्रेरित करने की प्रशंसा की एवं कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से भारत के अन्य देशों के साथ सांस्कृतिक संबंध भी मजबूत होते हैं। इंडोनेशिया, मोरक्को, फिलिस्तीन, सीरिया, सूडान, मलेशिया, पनामा, ग्वाटेमाला, श्रीलंका आदि देशों के प्रतिभागियों ने योग एवं प्राणायाम के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।

एनआईटीटीटीआर भोपाल में आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ

संस्थान में आयोजित आईटेक कार्यक्रम

संस्थान में आयोजित इंटर निटर स्पोर्ट्स मीट

संरक्षक : प्रो. सी. थंगराज, निदेशक, संपादक : प्रो. पी. के. पुरोहित, सह–संपादक : श्रीमती शोभा लेखवानी
सहयोग : श्रीमती अनिता लाला, टंकण : श्रीमती साधना त्रिपाठी, छायांकन : श्री रितेन्द्र पवार
आन्तरिक वितरण हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, शामला हिल्स, भोपाल–462002 द्वारा प्रकाशित एवं भंडारी ऑफसेट प्रिंटर्स द्वारा मुद्रित